भारतीय गैर न्यायिक

भारत

दस रुपये रु.10

Rs.10

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 70AE 103927

प्ररूप –26

(नियम 4क देखिए)

कानपुर खण्ड स्नातक निवार्चन क्षेत्र से

(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

विधान परिषद उत्तर प्रदेश (सदन का नाम) के निर्वाचन के लिये रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा नाम निर्देशन पत्र के साथ प्रस्तुत किया जाने वाला शपथपत्र।

भाग–क

मैं कमलेश कुमार यादव **पुत्र/~~पुत्री~~/~~पत्नी~~ श्री बृजलाल यादव आयु 35 वर्ष जो सी 165, राजीव नगर, यशोदा नगर, किदवई नगर, कानपुर नगर (डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूँ, और उपरोक्त निर्वाचन के लिये अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/करती हूँ, शपथपत्र पर निम्नलिखित कथन करता हूं/ करती हूँ :–

(1) मै एक अभ्यर्थी हूँ जिसे निर्दलीय (**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खडा किया गया अभ्यर्थी/**एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप मे लड़ रहा हूं। (**जो लागू न हो उसे काट दें)

(2) मेरा नाम 217 महाराजपुर विधान सभा उत्तर प्रदेश (निर्वाचन–क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग सं0 117 के क्रम सं0 228 पर प्रविष्ट है।

क्रमांक सं0 9236 दिनांक 09-01-23

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन..........

स्टाम्प क्रेता का नाम..........

पूरा पता..........

स्टाम्प की धनराशि 100

फुरकान अली (स्टाम्प विक्रेता)

ला0नं0-243/16-17 तहसील ... 31-3-___

(3) मेरा/मेरे 9415937941 संपर्क दूरभाष संख्या/संख्याएं है/हैं और मेरा kamlesh9415yadav@gmail.com ईमेल पता (यदि कोई हो) है तथा मेरा/मेरे सोशल मीडिया खाता/खाते (यदि कोई हो) निम्नलिखित है/हैं।

(I) फेसबुक– Kamlesh Yadav
(II) ट्विटर– @kamlesh94159379
(III) व्हाट्सअप– 9415937941

(4) स्थाई खाता संख्या (पैन) और आयकर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति:

क्रम सं0	नाम	पीएएन (स्थाई खाता संख्या)	यह वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	पिछले पांच वित्तीय वर्षो (31 मार्च को) के लिए आयकर विवरणी में दर्शित कुल आय (रूपये में)
1	स्वयं कमलेश कुमार यादव	AFSPY3502J	शून्य	(i) शून्य (ii) शून्य (iii) शून्य (iv) शून्य (v) शून्य
2	पत्ति या पत्नी . श्रीमती पूनम यादव	शून्य	शून्य	(i) शून्य (ii) शून्य (iii) शून्य (iv) शून्य (v) शून्य
3	हिंदू अविभक्त कुटुंब (यदि अभ्यर्थी कर्ता या सहदायिक है)	शून्य	शून्य	(i) शून्य (ii) शून्य (iii) शून्य (iv) शून्य (v) शून्य
4	आश्रित–1	शून्य	शून्य	(i) शून्य (ii) शून्य (iii) शून्य (iv) शून्य (v) शून्य
5	आश्रित–2	शून्य	शून्य	(i) शून्य (ii) शून्य (iii) शून्य (iv) शून्य (v) शून्य
6	आश्रित–3	शून्य	शून्य	(i) शून्य (ii) शून्य (iii) शून्य (iv) शून्य (v) शून्य

NOTARY
RANI KANOJIYA
Advocate
Kanpur Nagar U.P.
Regd. No.
GOVT. OF U.P.

टिप्पणः स्थायी खाता संख्या (पैन) धारक के लिए स्थायी खाता संख्या (पैन) का उल्लेख करना आज्ञापक होगा और कोई स्थायी खाता संख्या (पैन) न होने की दशा में यह स्पष्ट रूप से कथन करना चाहिए कि ''कोई स्थायी खाता संख्या (पैन) आबंटित नही हुआ है'' ।

(5) लंबित आपराधिक मामले

(i) मै यह घोषणा करता/करती हूं कि मेरे विरूद्ध कोई अपराधिक मामला लंबित नहीं है।
(यदि अभ्यर्थी के विरूद्ध कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और नीचे विकल्प (ii) के सामने 'लागू नही' होता है लिखें)

या

(ii) मेरे विरूद्ध निम्नलिखित आपराधिक मामलें लंबित हैं: लागू नहीं

(यदि अभ्यर्थी के विरूद्ध आपराधिक मामला लंबित है तो इस विकल्प चिन्हांकित करें और उपरोक्त विकल्प (i) को काट दें और नीचे की सारणी में सभी लंबित मामलों का ब्योरा दें)

सारणी

(क)	संबद्ध पुलिस थाने के नाम और पते के साथ प्रथम इत्तिला रिर्पोट सं0	शून्य	शून्य	शून्य
(ख)	न्यायालय के नाम के साथ मामला सं0	शून्य	शून्य	शून्य
(ग)	अंतर्वलित संबद्ध अधिनियमों/ संहिताओं की धाराएं (धारा की सं0 दें, अर्थात् भारतीय दंड संहिता, आदि की धारा.....)	शून्य	शून्य	शून्य
(घ)	अपराध का संक्षिप्त विवरण	शून्य	शून्य	शून्य
(ड)	क्या आरोप विरचित किए गए हैं (हां या नहीं का उल्लेख करें।	शून्य	शून्य	शून्य
(च)	यदि उपर्युक्त मद (ड.) के सामने उत्तर हां है, तो वह तारीख दें, जिसका आरोप विरचित किये गए थे	शून्य	शून्य	शून्य
(छ)	क्या कार्यवाहियों के विरूद्ध कोई अपील/ पुनरीक्षण के लिए आवेदन फाईल किया गया है (हां या नहीं का उल्लेख करें।)	शून्य	शून्य	शून्य

(6) दोषसिद्धि के मामलें–

(i) मै यह घोषणा करता/करती हूं कि मुझे किसी आपराधिक मामले में दोष सिद्ध नही किया गया है।
(यदि अभ्यर्थी दोष सिद्ध नही किया गया है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और नीचे विकल्प (ii) के सामने लागू नही होता है लिखें)

या

(ii) मुझे नीचे वर्णित अपराधों के लिए दोषसिद्ध किया गया है: लागू नहीं
(यदि अभ्यर्थी के दोषसिद्ध किया गया है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और उपरोक्त विकल्प (i) को काट दें, और नीचे दी गई सारणी में ब्यौरे दें)

सारणी

(क)	मामला संख्यांक	शून्य	शून्य	शून्य
(ख)	न्यायालय का नाम	शून्य	शून्य	शून्य
(ग)	अंतर्वलित अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं (धारा की सं0 दें अर्थात् भारतीय दंड संहिता, आदि की धारा.....)	शून्य	शून्य	शून्य
(घ.)	अपराधों का संक्षिप्त विवरण, जिसके लिए दोषसिद्ध किया गया है।	शून्य	शून्य	शून्य
(ड.)	दोषसिद्ध के आदेशों की तारीखें	शून्य	शून्य	शून्य
(च)	अधिरोपित दंड	शून्य	शून्य	शून्य
(छ)	क्या दोषसिद्ध के आदेश के विरूद्ध कोई अपील फाईल की गई है (हां या नहीं का उल्लेख करें)	शून्य	शून्य	शून्य
(ज)	यदि उपरोक्त मद (छ) का उत्तर हां है, तो अपील के ब्योरे तथा वर्तमान प्रास्थिति दें	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY
Kanpur ...
GOVT. OF U.P.

(6क) मैने, ऊपर पैरा (5) और (6) में दिए गए अनुसार मेरे विरुद्ध सभी लंबित आपराधिक मामलो की और दोषसिद्ध के सभी मामलो के बारे में अपने राजनितिक दल को पूरी और अद्यतन सूचना दे दी है।
(ऐसे अभ्यर्थियों को, जिन्हे यह मद लागू नही होता है, उपरोक्त पैरा 5(i) और पैरा 6(i) में की प्रविष्टियों को देखते हुए, स्पष्ट रुप से लागू नही होता है, लिखना चाहिए।)

टिप्पण:

1. ब्यौरे स्पष्ट रुप से और सुपाठ्य रुप से बड़े अक्षरो में प्रविष्ट किये जाने चाहिए।
2. प्रत्येक मद के सामने विभिन्न स्तंभो के अधीन प्रत्येक मामले के लिए ब्यौरे पृथक रुप से दिए जाए।
3. ब्यौर विलोम कालानुक्रम में दिए जाने चाहिए, अर्थात नवीनतम मामलो को पहले वर्णित किया जाए और अन्य मामलों के लिए तारीखों के क्रम में पीछे की ओर वर्णित किया जाए।
4. यदि अपेक्षित हो तो पृथक शीट जोड़ी जा सकती है।
5. अभ्यर्थी 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में सभी सूचनाएं देने का उत्तरदायी होगा।

(7) मै, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितो की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूं:

अ— जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पण 1— संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2— जमा/विनिधान की दिशा मे क्रम सं0, रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3— सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरो का मूल्य स्टॉक एक्सचेन्जों मे चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4— ''आश्रित'' से अभ्यर्थी के माता—पिता, पुत्र, पुत्री या पति या पत्नी और अभ्यर्थी से संबधित कोई अन्य व्यक्ति, चाहे वह रक्त द्वारा हो या विवाह द्वारा, अभिप्रेत है (हैं), जिसके आय के पृथक साधन नहीं है और जो अपने जीवनयापन के लिए अभ्यर्थी पर आश्रित है।

टिप्पण 5— रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबध में पृथकतया दिए जाने है।

टिप्पण 6— ब्यौरो में अपतट आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।

स्पष्टीकरण: इस टिप्पण के प्रयोजन के लिए ''अपतट आस्तियों'' पद से विदेशी बैंको और किसी अन्य विदेशी निकाय या संस्था में सभी जमा राशियों या विनिधानों के ब्यौरे और विदेशों में सभी आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे अभिप्रेत है :

NOTARY GOVT. OF U.P. RANI KANOJIYA Advocate Kanpur Nagar (U.P.) Regd. No. 66176/21

क्रम सं0	विवरण	स्वयं कमलेश कुमार यादव	पति या पत्नी श्रीमती पूनम यादव	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित—1	आश्रित—2	आश्रित—3
(i)	हाथ में नकदी	10,000/—	8000/—	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	बैंक खातो में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं), वित्तीय संस्थानो, गैर बैककारी, वित्तीय कम्पनियो और सहकारी सोसाइटियो के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम।	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iii)	कंपनियों / पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रो, डिबेंचरो / शेयरो यूनिटो मे विनिधान के ब्योरे और रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियो मे विनिधान के ब्योरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्ही वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणयों से अन्य प्राप्य तथा रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

(vi)	मोटरयान वाहन / वायुयान/यान/पोत (निक, रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vii)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(viii)	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावे / हित का मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ix)	सकल कुल मूल्य	10,000/–	8,000/–	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

<u>ख– स्थावर आस्तियों के ब्योरे–</u>

टिप्पण–1 – संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुये संयुक्त नाम में आस्तियो का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2– प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेंण्ट का इस प्रारुप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

टिप्पण 3– ब्यौरो में अपतट आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।

क्रम सं0	विवरण	स्वयं कमलेश कुमार यादव	पत्नि या पत्नी श्रीमती पूनम यादव	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियाँ) सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (एकड मे कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई सम्पत्ति है (हॉं या नही)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वअर्जित सम्पत्ति की दशा मे क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	गैर कृषि भूमि : अवस्थिति (अवस्थितिया) सर्वेक्षण संख्या (संख्यांए)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY RANI KANOUJIA Kanpur Nagar (U.P.) GOVT. OF U.P.

	क्षेत्र (वर्गफुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में मिली हुई सम्पति है (हॉ या नही)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वर्जित सम्पत्ति की दशा मे क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कय के समय भूमि की लागत (कय की दशा मे)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iii)	वाणिज्यिक भवन (अपार्टमेंण्ट सहित) –अवस्थिति (अवस्थितियां) – सर्वेक्षण संख्या (संख्यांए)–	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्गफीट मे कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र(वर्गफीट मे कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासती सम्पत्ति है (हॉ या नही)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वर्जित सम्पत्ति की दशा मे कय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कय के समय भूमि की लागत(कय की दशा मे)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, निमाण आदि के रूप मे भूमि पर किया गया कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iv)	आवासीय भवन (अपार्टमेंण्ट सहित) – अविस्थिति (अविस्तिथयॉ) –सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY RANI KANOJIYA Advocate Kanpur Nagar (U.P.) Regd. No. 66(76)/21 GOVT. OF U.P.

	क्षेत्र (वर्गफिट मे कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र (वर्गफिट मे कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासती सम्पत्ति है (हॉ या नही)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वअर्जित सम्पत्ति की दशा मे कय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कय के समय भूमि की लागत (कय की दशा मे)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर किया गया कोई विनियान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	अन्य (जैसे कि सम्पत्ति मे हित)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	पूर्ववोक्त (i) से (v) का कुल चालू वाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY
RANI KANOJIYA
Advocate
Kanpur Nagar (U.P.)
Regd. No. 06/76/21
GOVT. OF U.P.

8– मैं लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति देयताओ/को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूँ:–

(टिप्पणी :- कृपया बैंक, संस्था, निकाय, या व्याष्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक मद के समक्ष रकम के ब्योरे का अलग–अलग विवरण दे।)

क्रम सं०	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	बैंक/वित्तीय संस्था (संस्थाओं) को ऋण यां शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्ही अन्य व्यष्टिको, निकाय को ऋण या शोध्य नाम, बकाया रकम, ऋण का प्रकृति	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कोई अन्य दायित्व	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	दायित्वों का कुल योग	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	सरकारी शोध्य सरकारी आवास से संबंधित विभागो को शोध्य	क– क्या अभिसाक्षी वर्तमान निर्वाचन की अधिसूचना की तारीख से पूर्व पिछले 10 वर्ष के दौरान किसी समय सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आवास के अधिभोग में है ? – लागू नही ख– यदि उपरोक्त (क) का उत्तर हां है तो निम्नलिखित घोषणा प्रस्तुत करे, अर्थात :– लागू नही					हां/नही (कृपया उपयुक्त विकल्प पर सही का

		(i) सरकारी आवास का पता : लागू नही (ii) उपरोक्त सरकारी आवास के सम्बन्ध में, निम्नलिखित के मद्दे कोई शोध्य संदेय नही है– लागू नही					निशान लगाएं)
		(क) भाटकः लागू नही (ख) विद्युत प्रभार – लागू नही (ग) जल प्रभार, और– लागू नही (घ) .... (तारीख) को टेलीफोन प्रभार– लागू नही (तारीख उस मास से जिसमें निर्वाचन अधिसूचित किया जाता है, पूर्व तीसरे मास के अंतिम तारीख या उसके पश्चात की तारीख होनी चाहिए) – लागू नही टिप्पण– उपरोक्त सरकारी आवास के लिए भाटक, विद्युत प्रभार, जल प्रभार और टेलीफोन प्रभार की बावत् संबधित अभिकरणों का ''बेबाकी प्रमाणपत्र प्रस्तुत'' किया जाना चाहिए।					लागू नही होता
(iii)	सरकारी परविहन से संबंन्धित विभाग को शोध्य (जिसके अन्तर्गत वायुयान और हेलिकाप्टर भी है)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
		स्वयं कमलेश कुमार यादव	~~पति~~–या पत्नी श्रीमती पूनम यादव	हिंदू अविभक्त कुटंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(iv)	आयकर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	जीएसटी शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	नगर पालिका /सम्पत्ति कर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vii)	कोई अन्य शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(viii)	सभी सरकारी शोध्य का कुल योग	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ix)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादग्रस्त है, यदि है तो अतर्वलित रकम का और प्राधिकारी का, और जिसके समक्ष यह लम्बित है, उल्लेख करें।	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

(9) वृत्ति या उपजीविका के ब्योरे :

(क) स्वयं – ....शिक्षक...........
(ख) पति या पत्नी– ....गृहणी...........

(9क) आय के स्रोतो के ब्योरोः

(क) स्वयं – ....शिक्षक...........
(ख) पति या पत्नी– ....गृहणी...........
(ग) आश्रित के आय के श्रोत यदि कोई हो – लागू नही होता।

(9ख) समुचित सरकार और किसी पब्लिक कम्पनी या कम्पनियों के साथ संविदाएं–

(क) अभ्यर्थी द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे– लागू नही होता।
(ख) पति या पत्नी द्वारा की गई संविदाओ के ब्यौरे – लागू नही होता।
(ग) आश्रित द्वारा की गई संविदाओ के ब्यौरे– लागू नही होता।
(घ) हिंदू अविभक्त कुटुम्ब या न्यास, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पति या आश्रित हितबद्ध हैं, द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे– लागू नही होता।
(ड.) भागीदारी फर्मो द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी का उसका पति पत्नी या आश्रित भागीदार है– लागू नही होता।
(च) प्राइवेट कम्पनियों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी का उसका पति या पत्नी या आश्रितों का हिस्सा है– लागू नही होता।

10– मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिये अनुसार हैः–

जुगलदेवी सरस्वती इण्टर कालेज में स्पोर्ट्स टीचर
उच्चतम डिग्री – वी0एस0एस0डी0 कालेज से एम0 पीएड0
कानपुर विश्वविद्यालय कानपुर वर्ष– 2014

(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रमं के पूर्ण प्रारूप का उल्लेख करते हुये उच्चतम विद्यालय/ विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्योरे देते हुये विद्यालय/ महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दे।)

NOTARY RANI ... Kanpur ... GOVT. OF U.P. 12/1/23

भाग– ख

11– भाग–क के (1) से (10) तक में दिए गए ब्यौरो का सारांश

1	अभ्यर्थी का नाम		श्री कमलेश कुमार यादव	
2	डाक का पूरा पता		सी 165, राजीव नगर, यशोदा नगर, किदवई नगर, कानपुर नगर	
3	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य		217 महाराजपुर विधानसभा उत्तर प्रदेश।	
4	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खडा किया है (अन्यथा 'निर्दलीय' लिखे)		निर्दलीय	
5	लंबित आपराधिक मामलो की कुल संख्या		शून्य	
6.	ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमे दोषसिद्ध ठहराया गया है।		शून्य	
7		स्थायी लेखा सं0 (पैन)	वह वर्ष जिसके लिये अतिंम आयकर विवरणी फाइल की गयी है।	कुल दर्षित आय
	क– अभ्यर्थी– कमलेश कुमार यादव	AFSPY3502J	शून्य	शून्य
	ख– पत्नी– श्रीमती पूनम यादव	शून्य	शून्य	शून्य
	ग– हिंदू अविभक्त कुटुंब	शून्य	शून्य	शून्य
	घ– आश्रित	शून्य	शून्य	शून्य

8.	आस्तियों और दायित्वों (अपतट आस्तियों सहित) के रुपयों में ब्यौरे							
		विवरण	स्वयं– कमलेश कुमार यादव	पत्नी– श्रीमती पूनम यादव	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
क		जंगम आस्तियॉ (कुल मूल्य)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
ख		स्थावर आस्तियॉ						
	(i)	स्वार्जित स्थावर सम्पत्ति की क्रय कीमत	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ii)	क्रय के पश्चात स्थावर सम्पत्ति की विकास/सनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(iii)	अनुमानित वर्तमान बाजार कीमतः– क– स्वार्जित आस्तियॉ (कुल मूल्य) ख–विरासती आस्तियॉ (कुल मूल्य)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
9		दायित्व						
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओ और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
10		ऐसे दायित्व जो विवादाधीन है।						
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओ और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
11		उच्चतम शैक्षणिक अर्हताः (प्रमांणपत्र/ डिप्लोमा/डिग्री पाठयकम के पूर्ण प्रारुप का उल्लेख करते हुये, उच्चतम विघालय/ विश्वविघालय शिक्षा, विघालय/ महाविघालय/ विश्वविघालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठ्यकम पूरा किया गया था का ब्यौरा दे।) जुगलदेवी सरस्वती इण्टर कालेज में स्पोर्ट्स टीचर, उच्चतम डिग्री – वी0एस0एस0डी0 कालेज से एम0 पीएड0 कानपुर विश्वविद्यालय कानपुर वर्ष– 2014						

सत्यापन–

मै, ऊपर उल्लिखित, अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूॅ कि इस शपथपत्र की विषय–वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नही है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नही छिपाया गया है। मै यह और घोषणा करता हूॅ कि :–

(क) मेरे विरुद्ध ऊपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धी का मामला या लंबित मामले से भिन्न कोई दोषसिद्वि का मामला या लंबित मामला नही है :

(ख) मेरे पति या पत्नी या मेरे आश्रितो के पास ऊपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या देयता से भिन्न कोई आस्ति या देयता नहीं है।

आज तारीख 12/1/23 को सत्यापित किया गया है।

अभिसाक्षी

टिप्पण 1: शपथपत्र नामाकंन फाईल करने के अंतिम दिन को अपराह्न 3.00 बजे तक फाईल किया जाना चाहिए।

टिप्पण 2: शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटेरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण 3: सभी स्तंभो को भरा जाना चाहिए और कोई स्तम्भ खाली न छोड़े, यदि किसी मद के संबंध मे देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथास्थिति "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण 4: शपथपत्र टकिंत या सुपाठ्य रुप से साफ–साफ लिखित होना चाहिए।

टिप्पण 5: शपथपत्र का प्रत्येक पृष्ठ अभिसाक्षी द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। इसके अतिरिक्त शपथपत्र पर के प्रत्येक पृष्ठ पर ऐसे नोटरी या शपथ आयुक्त या मजिस्ट्रेट जिसके समक्ष शपथ पत्र पर सत्यापित किया जाता है, की स्टाम्प होनी चाहिए।

NOTARY
RANI KANOJIYA
Kanpur Nagar U.P.
Regn. No. 56761/21
GOVT. OF U.P.
12/1/23

SHIVA KANT DIXIT
Advocate

Sworn before me this day of ......
by Shri...... to whom the
Contents of the affidavit have been
read over and explained who is duly
identified Sri......
RANI KANOJIYA (Advocate)
Govt. Notary Kanpur (U.P.)
12/1/23